सामाजिक विज्ञान

(भूगोल)

अध्याय-6: प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीवन

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्राकृतिक वनस्पति

स्थल की ऊँचाई एवं वनस्पति की विशेषताएँ एक-दूसरे से संबंधित हैं। ऊँचाई में परिवर्तन के साथ जलवायु में परिवर्तन होता है तथा इसके कारण प्राकृतिक वनस्पति में भी बदलाव आता है। वनस्पति की वृद्धि तापमान एवं नमी पर निर्भर करती है। इसके अलावा यह ढाल एवं मिट्टी की परत की मोटाई जैसे कारकों पर भी निर्भर करती है। इन घटकों में अंतर के कारण किसी स्थान की प्राकृतिक वनस्पति की सघनता एवं प्रकार में भी परिवर्तन होता है।
प्राकृतिक वनस्पति को तीन भागों में बाँटा गया है।

1. **वन:-** जो वृक्ष तापमान एवं परिपूर्ण वर्षा वाले क्षेत्रों में उगते है। सघन एवं खुले वन विकसित होते हैं।
2. **घासस्थल:-** जो मध्यम वर्षा वाले क्षेत्र में विकसित होते हैं।
3. **काँटेदार:-** काँटेदार झाड़ एवं झाड़ियाँ केवल शुष्क क्षेत्रों में पैदा होते है।

वनस्पति के प्रकार

उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन

इन वनों को उष्णकटिबंधीय वर्षा वन भी कहते हैं। ये घने वन भूमध्य रेखा एवं उष्णकटिबंध के पास पाए जाते हैं। ये क्षेत्र गर्म होते हैं एवं पूरे वर्ष यहाँ अत्यध्कि वर्षा होती है। चूँकि यहाँ का मौसम कभी शुष्क नहीं होता, इसलिए यहाँ के पेड़ों की पत्तियाँ पूरी तरह नहीं झड़ती। इसलिए इन्हें सदाबहार कहते हैं। काफी घने वृक्षों की मोटी वितान के कारण दिन के समय भी सूर्य का प्रकाश वन वेफ अंदर तक नहीं पहुँच पाता है। आमतौर पर यहाँ दृढ़ काष्ठ वृक्ष जैसे रोशवुड, आबनूस, महोगनी आदि पाए जाते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उष्णकटिबंधीय वर्षा वन

उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन

उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन मानसूनी वन होते हैं जो भारत, उत्तरी आस्ट्रेलिया एवं मध्य अमेरिका के बड़े हिस्सों में पाए जाते हैं। इन क्षेत्रों में मौसमी परिवर्तन होते रहते हैं। जल संरक्षित रखने के लिए शुष्क मौसम में यहाँ के वृक्ष पत्तियाँ झाड़ देते हैं। इन वनों में पाए जाने वाले दृढ़ काष्ठ वृक्षों में साल, सागवान, नीम तथा शीशम हैं। दृढ़ काष्ठ वृक्ष फर्नीचर, यातायात एवं निर्माण सामग्री बनाने के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। इन वनो में आमतौर पर पाए जाने वाले जानवर हैं बाघ, शेर, हाथी, गोल्डन लंगूर एवं बंदर आदि।

उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

शीतोष्ण सदाबहार वन

शीतोष्ण सदाबहार वन मध्य अक्षांश के तटीय प्रदेशों में स्थित हैं। ये सामान्यतः महाद्वीपों के पूर्वी किनारों पर पाए जाते हैं, जैसे दक्षिण-पूर्वी अमेरिका, दक्षिण चीन एवं दक्षिण-पूर्वी ब्राजील। यहाँ बांज, चीड़ एवं यूकेलिप्टस जैसे दृढ़ एवं मुलायम दोनों प्रकार के पेड़ पाए जाते हैं।

शीतोष्ण सदाबहार वन

शीतोष्ण पर्णपाती वन

उच्च अक्षांश की ओर बढ़ने पर अधिक शीतोष्ण पर्णपाती वन मिलते हैं। ये उत्तर-पूर्वी अमेरिका, चीन, न्यूज़ीलैंड, चिली एवं पश्चिमी यूरोप के तटीय प्रदेशों में पाए जाते हैं। ये अपनी पत्तियाँ शुष्क मौसम में झाड़ देते हैं। यहाँ पाए जाने वाले पेड़ हैं बांज, ऐश, बीच, आदि। हिरण, लोमड़ी, भेड़िये, यहाँ के आम जानवर हैं। फीजेंट तथा मोनाल जैसे पक्षी भी यहाँ पाए जाते हैं।

शीतोष्ण पर्णपाती वन

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

भूमध्यसागरीय वनस्पति

आप जान चुके हैं कि महाद्वीपों के पूर्व एवं उत्तर-पूर्वी किनारों के अधिकांश भाग शीतोष्ण सदाबहार एवं पर्णपाती पेड़ों से ढ़ँके हैं। महाद्वीपों के पश्चिमी एवं दक्षिण-पश्चिमी किनारे भिन्न हैं। यहाँ भूमध्यसागरीय वनस्पतियाँ पाई जाती हैं। यह अधिकतर यूरोप, अफ्रीका एवं एशिया के भूमध्यसागर के समीप वाले प्रदेशों में पाई जाती हैं। इसलिए इसका यह नाम पड़ा। ये वनस्पतियाँ भूमध्यसागर के बाहरी प्रदेशों जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका के केलिफोर्निया, दक्षिण-पश्चिमी अफ्रीका, दक्षिण-पश्चिमी दक्षिण अमेरिका एवं दक्षिण-पश्चिम आस्ट्रेलिया में भी पाई जाती है। इन प्रदेशों में गर्म-शुष्क ग्रीष्म एवं वर्षा वाली मृदु शीत ऋतुएँ होती हैं। इन क्षेत्रों में आमतौर पर संतरा, अंजीर, जैतून एवं अंगूर जैसे निंबु-वंश (सिट्रस) के फल पैदा किए जाते हैं, क्योंकि लोगों ने अपनी इच्छानुसार कृषि करने के लिए यहाँ की प्राकृतिक वनस्पति को हटा दिया है। यहाँ वन्य जीवन कम है।

भूमध्यसागरीय वनस्पतियाँ

शंकुधारी वन

उत्तरी गोलार्ध्द के उच्च अक्षांशो (50° - 70°) मे भव्य शंकुधारी वन पाये जाते है। इन्हे टैगा भी कहते है। ये वन अधिक उचाइयो पर ही पाये जाते है। ये लम्बे नरम काष्ठ वाले सदाबहार वृक्ष होते है। इन वृक्षो के काष्ठ का उपयोग माचिस एव पैकिंग के लिए बक्से बनाने के लिए भी किया जाता है। चीड, देवदार आदि इन वनो के मुख्य पेड है। यहाँ सामान्यत रजत लोमडी, मिंक ध्रुवीय भालू जैसे जानवर पाये जाते है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

शंकुधारी वन

हिमाच्छादित शंकुधारी वन

उष्णकटिबंधीय घासस्थल

ये वन भूमध्य रेखा के किसी भी तरफ उग जाते हैं और भूमध्य रेखा के दोनों ओर से उष्णकटिबंध क्षेत्र तक फैले हैं। यहाँ वनस्पति निम्न से मध्य वर्षा वाले क्षेत्रों में पैदा होती है।

- यह घास काफ़ी ऊँची लगभग 3 से 4 मित्र की ऊँचाई तक बढ़ सकती है।
- यहाँ हाथी, ज़ेबरा, जिराफ़, हिरण, तेंदुआ आदि जानवर पाए जाते हैं।
- पूर्वी अफ्रीका – सवाना, ब्राजील – कंपोस, वेनेजुएला – लानोस

शीतोष्ण घासस्थल

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ये मध्य अक्षांशीय क्षेत्रों और महाद्वीपों के भीतरी भागों में पाए जाते हैं। यहाँ घास आमतौर पर छोटी एवं पौष्टिक होती है। शीतोष्ण प्रदेशों में सामान्यत : जंगली भैंस, बाइसन, एंटीलोप पाए जाते हैं।

अर्जेन्टीना – पैंपास, उत्तरी अमेरिका – प्रेयरी, दक्षिण अफ्रीका – वेल्ड स्टेपी, आस्ट्रेलिया – डान

कँटीली झाड़ियाँ

शुष्क रेगिस्तान प्रदेशों में पाई जाती हैं। उष्णकटिबंधीय रेगिस्तान, महाद्वीपों के पश्चिमी किनारों पर पाए जाते हैं। तीव्र गर्मी एवं बहुत कम वर्षा के कारण यहाँ वनस्पतियों की कमी रहती है।

ध्रुवीय प्रदेश

अत्यधिक ठंडा इलाका यहाँ बहुत सीमित प्राकृतिक वनस्पति मिलती है। यहाँ केवल काई, लाइकेन एवं छोटी झड़ियाँ पाई जाती हैं। ये अल्पकालिक ग्रीष्म ऋतु के दौरान विकसित होती हैं।

इसे टुंड्रा प्रकार की वनस्पति कहा जाता है। ये वनस्पतियाँ यूरोप, एशिया एवं उत्तरी अमेरिका के ध्रुवीय प्रदेशों में पाई जाती है।

यहाँ सील, वालरस, ध्रुवीय भालू, ध्रुवीय उल्लू बर्फीली लोमड़ी आदि जानवर पाए जाते है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 45)

प्रश्न 1 निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

1. वनस्पतियों का विकास किन दो कारकों पर अधिकतर निर्भर करता है ?
2. प्राकृतिक वनस्पतियों की तीन मुख्य श्रेणियाँ कौन – सी है ?
3. उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन के दो दृढ़ काष्ठ वाले पेड़ों के नाम बताएँ।
4. विश्व के किस भाग में उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन पाए जाते है ?
5. नींबू – वंश (सिट्रस) के फल किस जलवायु में उगाए जाते हैं ?
6. शंकुधारी वन के कोई चार उपयोग बताएँ ।
7. विश्व के किन भागों में मौसमी घासस्थल पाए जाते है ?

उत्तर –

1. वनस्पति की वृद्धि अधिक तापमान एवं नमी पर निर्भर करती है। इसके अलावा यह ढाल एवं मिट्टी की परत को मोटाई जैसे कारकों पर भी निर्भर करती है। इन घटकों में अंतर के कारण किसी स्थान की प्राकृतिक वनस्पत्ति की सघनता एवं प्रकार में भी परिवर्तन होता है।
2. आमतौर पर प्राकृतिक वनस्पति को निम्न तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है:-
   - **वन :-** जो वृक्षों के लिए उपयुक्त तापमान एवं परिपूर्ण वर्षा वाले क्षेत्रों में उगते हैं। इन कारकों के आधार पर सघन एवं खुले वन विकसित होते हैं।
   - **घास स्थल :-** जो मध्यम वर्षा वाले क्षेत्र में विकसित होते हैं ।
   - **काँटेदार झाड़ियाँ :-** काँटेदार झाड़ एवं झाड़ियाँ केवल शुष्क क्षेत्रों में पैदा होते हैं।
3. आमतौर पर उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन के दो काष्ठ वृक्ष जैसे रोजवुड, आबनूस, महोगनी है।
4. उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन मानसूनी वन होते हैं जो भारत, उत्तरी आस्ट्रेलिया एवं मध्य अमेरिका के कई हिस्सों में पाए जाते हैं। इन क्षेत्रों में मौसमी परिवर्तन होते रहते हैं। जल

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

संरक्षित रखने के लिए शुष्क मौसम में यहाँ के वृक्ष पत्तियाँ झाड़ देते हैं। इन वनों में पाए जाने वाले दृढ़ काष्ठ वृक्षों में साल, सागवान, नीम तथा शीशम हैं।

5. नींबू – वंश फल गर्म – शुष्क ग्रीष्म एवं वर्षा वाली मृदु शीत ऋतुएँ होती हैं । इन क्षेत्रों में आमतौर पर संतरा, अंजीर, जैतून एवं अंगूर जैसे निबु – वंश (सिट्रस) के फल पैदा किए जाते हैं, क्योंकि लोगों ने अपनी इच्छानुसार कृषि करने के लिए यहाँ प्राकृतिक वनस्पति को हटा दिया है। ये भाग भूमध्य सागरीय प्रदेशों में पाए जाते है। इस प्रदेश में ग्रीष्म ऋतु शुष्क व वर्षा रहित होती है तथा सर्दियों में वर्षा होती है।
6. उत्तरी गोलार्द्ध के उच्च अक्षांशों (50 ° -70°) में भव्य शंकुधारी वन पाए जाते हैं। इन्हें ‘ टैगा ‘ भी कहते हैं। ये वन अधिक ऊँचाइयों पर भी पाए जाते हैं। इन्हीं वृक्षों को सलीमा ने हिमालय में प्रचुर मात्रा में देखा था। ये लंबे, नरम काष्ठ वाले सदाबहार वृक्ष होते हैं। इन वृक्षों के काष्ठ का उपयोग लुगदी बनाने के लिए किया जाता है, जो सामान्य तथा अखबारी कागज बनाने के काम आती है। नरम काष्ठ का उपयोग माचिस एवं पैकिंग के लिए बक्से बनाने के लिए भी किया जाता है। सजावट का सामान बनाने के लिए भी इनका उपयोग किया जाता है। चीड़, देवदार आदि इन वनों के मुख्य पेड़ हैं।
7. ये वन भूमध्य रेखा के किसी भी तरफ उग जाते हैं और भूमध्य रेखा के दोनों ओर से उष्णकटिबंध क्षेत्रों तक फैले हैं। यहाँ वनस्पति निम्न से मध्य वर्षा वाले क्षेत्रों में पैदा होती है। यह घास काफी ऊँची लगभग 3 से 4 मीटर की ऊँचाई तक बढ़ सकती है। अफ्रीका का सवाना घासस्थल इसी प्रकार का है। सामान्य रूप से उष्णकटिबंधीय घासस्थल में हाथी, जेबरा, जिराफ़, हिरण, तेंदुआ आदि जानवर पाए जाते हैं।

प्रश्न 2 सही (√) उत्तर चिह्नित कीजिए:-

1. काई एवं लाइकेन पाए जाते हैं
   a) रेगिस्तानी वनस्पति में
   b) उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन में
   c) टुंड्रा वनस्पति में
2. काँटेदार झाड़ियाँ मिलती हैं

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

a) गर्म एवं आद्र, उष्णकटिबंधीय जलवायु में

b) गर्म एवं शुष्क, रेगिस्तानी जलवायु में

c) ठंडी ध्रुवीय जलवायु में

3. उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन का एक सामान्य जानवर

a) बंदर

b) जिराफ

c) ऊंट

4. शंकुधारी बन की एक महत्त्वपूर्ण वृक्ष प्रजाति

a) रोजवुड

b) चीड़

c) सागवान

5. स्टेपी घासस्थल पाए जाते हैं

a) दक्षिण अफ्रीका

b) आस्ट्रेलिया

c) मध्य एशिया

उत्तर –

1. टुंड्रा वनस्पति में
2. गर्म एवं शुष्क, रेगिस्तानी जलवायु में
3. बंदर
4. चीड़
5. मध्य एशिया

प्रश्न 3 निम्नलिखित स्तंभों को मिलाकर सही जोड़े बनाइए:-‘

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(क) वालरस	(i) नरम काष्ठ पेड़
(ख) देवदार के वृक्ष	(ii) उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन का एक जानवर
(ग) जैतून	(iii) एक ध्रुवीय जानवर
(घ) हाथी	(iv) अंटार्कटिका का शीतोष्ण घासस्थल
(च) कंपोस	(v) एक नींबू – वंश (सिट्रस) का फल
(छ) डाउन	(vi) ब्राजील के उष्णकटिबंधीय घासस्थल

उत्तर –

(क) वालरस	(iii) एक ध्रुवीय जानवर
(ख) देवदार के वृक्ष	(i) नरम काष्ठ पेड़
(ग) जैतून	(v) एक नींबू–वंश (सिट्रस) का फल
(घ) हाथी	(ii) उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन का एक जानवर
(ड़) कंपोस	(vi) ब्राजील के उष्णकटिबंधीय घासस्थल
(च) डाउन	(iv) अंटार्कटिका का शीतोष्ण घासस्थल

प्रश्न 4 कारण बताइए:-

1. धुवीय प्रदेशों में रहने वाले जानवरों की फर एवं त्वचा मोटी होती हैं ।
2. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन, शुष्क मौसम में अपनी पत्तियाँ गिरा देते है।
3. वनस्पति के प्रकार एवं सघनता एक स्थान से दूसरे स्थान पर बदलते रहते हैं।

उत्तर –

1. ध्रुवीय प्रदेशों में सर्दी बहुत अधिक पड़ती है। यहाँ के जानवरों के शरीर पर मोटा फर एवं मोटी चमड़ी उन्हें इस भयंकर ठण्ड से बचाती है तथा उन्हें सुरक्षित रखती है ।
2. यहाँ गर्मियों में अधिक गर्मी पड़ती है । जल संरक्षित करने के लिए ये वन अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं । इससे वाष्पीकरण कम होता है तथा जल संरक्षित रहता है ।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. वनस्पति की वृद्धि तापमान एवं नमी पर निर्भर करती है। इसके अतिरिक्त, यह ढाल एवं मिट्टी की परत की मोटाई जैसे कारकों पर भी निर्भर करती है। इन घटकों में अंतर के कारण किसी स्थान की प्राकृतिक वनस्पति की सघनता एवं प्रकार में भी परिवर्तन होता है।

प्रश्न 5 क्रियाकलाप :-

(क) विश्व के विभिन्न भागों के वनों एवं घासस्थ्लों के चित्र एकत्रित करें। प्रत्येक चित्र के नीचे इससे सम्बन्धित एक वाक्य लिखें।

(ख) वर्षावन, घासस्थल, एवं शंकुधारी वन का एक कोलाज बनाए।

उत्तर –

शीतोष्ण पर्णपाती वन

शंकुधारी वन

उष्णकटिबंधीय घासस्थल

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

शीतोष्ण सदाबहार वन

प्रश्न 6 नीचे दी गई वर्ग पहेली में शब्द छिपे है। ये सब वनस्पतियों एवं वन्य जीवों से संबंधित हैं ये शब्द क्षैतिज एवं उर्वाधर रूप में दिए गए हैं। इनसे दो शब्दों की पहचान आपके लिए की गई है। अपने दोस्त से मिलकर बाकी शब्दों की पहचान करें।

M	T	N	L	P	L	M	E	H	R	T	B	A	M	B	O	O	P	N	A
B	**E**	**A**	**R**	A	I	X	S	E	E	R	C	M	W	H	A	L	E	D	C
T	L	P	F	L	O	R	A	N	L	E	O	P	A	R	D	C	E	E	M
A	E	I	A	M	N	L	I	C	H	E	N	S	L	F	O	A	P	E	S
N	P	G	U	D	O	G	R	T	Z	X	E	D	R	H	X	M	A	R	J
A	H	T	N	H	N	D	P	I	N	E	S	C	U	I	V	E	L	D	K
C	A	C	A	M	P	O	S	G	V	**N**	N	A	S	E	A	L	M	Q	U
O	N	A	C	F	O	W	L	E	E	**E**	A	C	D	E	O	D	A	R	M
N	T	C	H	I	R	N	G	R	V	**E**	K	T	M	O	S	S	E	S	O
D	O	T	E	A	K	S	R	S	E	**M**	E	U	S	A	P	C	G	A	N
A	X	U	R	M	A	A	N	G	R	A	S	S	W	K	A	R	Q	V	K
P	S	S	B	H	F	T	A	I	G	A	T	U	L	S	I	U	Y	A	E
G	H	F	I	R	P	R	A	I	R	I	E	S	A	B	E	B	O	N	Y
B	R	B	R	G	O	A	T	D	E	C	I	D	U	O	U	S	W	N	A
T	U	N	D	R	A	X	Z	E	B	R	A	H	O	R	S	E	L	A	K
C	B	E	E	A	X	L	L	A	N	O	S	A	T	P	A	M	P	A	S

उत्तर –

Anaconda Deodar Tulsi Horse

Bamboo Pine Ebony Taiga

Deer Owl Monkey Tundra

Lichen Teak Goat Pampas

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Leopard Grass Zebra Walrus

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)